कक्षा-4 के लिए अपठित गद्यांश

भारत का चंद्रयान

एक समय की बात है, भारत एक प्राचीन सभ्यता के रूप में जाना जाता था। विज्ञान और तकनीकी में अद्भुत उपलब्धियाँ हासिल की थीं। लेकिन अब एक नई चुनौती सामने थी - चाँद पर जाने की। भारतीय वैज्ञानिकों ने एक महत्वाकांक्षी योजना बनाई, जिसे "चंद्रयान" नाम दिया गया।

इस परियोजना का नेतृत्व करने के लिए एक प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, डॉ. मीरा शर्मा को चुना गया। डॉ. मीरा न केवल एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक थीं, बल्कि उनकी जिज्ञासा और उत्साह ने उन्हें इस मिशन का आदर्श नेता बना दिया। उन्होंने शुरुआत से ही अपनी टीम को जोड़कर रखा, जिसमें सभी क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल थे: इंजीनियर, भौतिकीविद्, गणितज्ञ, और खगोलज्ञ।

तैयारी दिनों-दिन तेज होती जा रही थी। भारत सरकार ने भी इस मिशन के लिए आवश्यक धन और साधन मुहैया कराए। चंद्रयान की विकास के लिए विभिन्न परीक्षणों का आयोजन किया गया। चंद्रयान का नामकरण करने के लिए एक देशव्यापी प्रतियोगिता आयोजित की गई, और अंततः "चंद्रयान" नाम को स्वीकार किया गया।

जब चंद्रयान के लॉन्चिंग का दिन आया, तो पूरा भारत उत्साह से भरा हुआ था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान को भेजने के लिए सर्वश्रेष्ठ उपाय किए। 15 जुलाई 2020 को, चंद्रयान वास्तव में आकाश में उड़ान भरने लगा। सभी ने एक साथ मिलकर भारतीय तिरंगे को आसमान में लहराते हुए देखा।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. भारतीय वैज्ञानिकों ने क्या महत्वाकांक्षी योजना बनाई?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०2. चंद्रयान परियोजना का नेतृत्व करने के लिए वैज्ञानिक, डॉ. मीरा शर्मा को क्यों चुना गया?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०3. ऐसा क्यों कहा गया है -सभी ने मिलकर भारतीय तिरंगे को आसमान में लहराते हुए देखा ?

उत्तर _____

_____

_____

प्र०4. **वाक्य बनाओ**

1. प्राचीन - ----------

---

2. प्रतिभाशाली ----------